गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–22 गोरखपुर, रविवार 19 नवम्बर 2023 पृष्ठ–8 मूल्य–2 रूपया

भारत समुद्री कानूनों के अनुरूप नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध : राजनाथ

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र समझौता

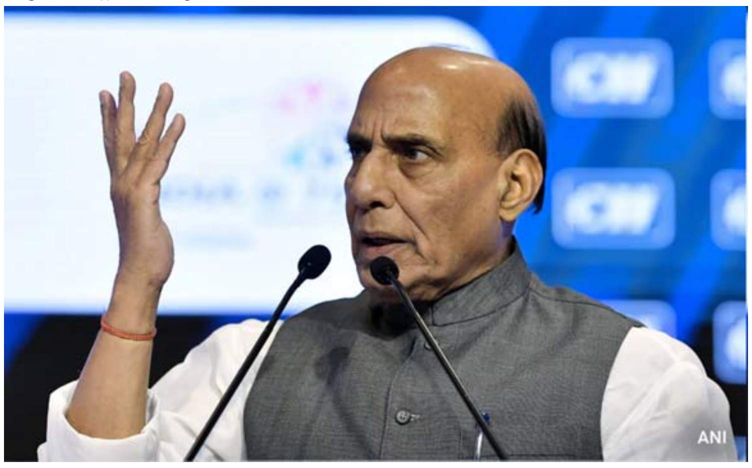

1982 सहित सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में नौवहन, हवाई उड़ान और निर्बाध वैध व्यापार की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है। श्री सिंह ने गुरुवार को इंडोनेशिया के जकार्ता में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 10वीं बैठक (एडीएमएम–प्लस) को संबोधित करते हुए आसियान के महत्व का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में बातचीत एवं सर्वसम्मति को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका की सराहना की। रक्षा मंत्री ने विभिन्न हितधारकों के बीच व्यापक सहमति पर आधारित क्षेत्रीय सुरक्षा पहलों का आह्वान किया। उन्होंने क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए एडीएमएम–प्लस के साथ व्यावहारिक, दूरदर्शी और परिणामोन्मुखी सहयोग को बढ़ावा देने के बारे में भी प्रतिबद्धता व्यक्त की। श्री सिंह ने जोर देते हुए कहा कि संघर्ष और टकराव से मानव जीवन की हानि के साथ साथ आजीविका नष्ट होती है, क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर स्थिरता में बाधा आती है और इसका खाद्य सुरक्षा तथा ऊर्जा सुरक्षा आदि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आसियान और इससे जुड़े देशों के साथ काम करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई जिससे कि शांति, समृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने शांति पर अपने विचार रखते हुए महात्मा गांधी का हवाला देते हुए कहा, "शांति का कोई रास्ता नहीं है, केवल शांति है। रक्षा मंत्री ने स्थायी शांति और वैश्विक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत और कूटनीति की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने दुनिया भर में भारत के इस संदेश की पुष्टि की, कि " यह युद्ध का युग नहीं है" और " हम बनाम वह" मानसिकता को छोड़ने की जरूरत पर बल दिया।

श्री सिंह ने भारत–आसियान गतिविधियों विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं के लिए पहल और समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण में आसियान सदस्य देशों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की।

उन्होंने गत मई में आयोजित पहले आसियान–भारत समुद्री अभ्यास के साथ–साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों पर विशेषज्ञ कार्य समूह में आसियान सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी की भी सराहना की। आतंकवाद को आसियान क्षेत्र सहित अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा करार देते हुए उन्होंने आतंकवाद से निपटने के लिए विशेषज्ञ कार्य समूह की सह–अध्यक्षता करने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव का एडीएमएम–प्लस ने समर्थन किया क्योंकि आतंकवाद इस क्षेत्र के देशों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

भारत को दुनिया की महाशक्ति बनाने का सपना केवल बीजेपी पूरा कर सकती है, जयपुर में बोले गडकरी

जयपुर (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश को दुनिया की महाशक्ति बनाने का सपना केवल भारतीय जनता पार्टी ही पूरा कर सकती है। गडकरी जयपुर के झोटवाड़ा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा, श्देश को दुनिया की महाशक्ति बनानी है..गांव गरीब मजदूर किसान को भय, भूख, आतंक एवं भ्रष्टाचार से मुक्त करना है... हमारे देश को विश्व गुरु बनाना है। आत्मनिर्भर भारत बनाना है और यह सपना केवल भाजपा पूरा कर सकती है। भाजपा नेता ने कहा, हम अपने लिये काम नहीं करते, हम देश के लिये काम करते हैं, गरीब के लिये काम करते हैं और इसलिये यह चुनाव केवल आपके राज्य की नहीं बल्कि हिन्दुस्तान की तकदीर बदलने वाला चुनाव है। इसके साथ ही गडकरी ने कहा कि पांच साल के अंदर देश में डीजल, पेट्रोल की गाड़ियां लगभग नहीं दिखेंगी केवल इलेक्ट्रिक की, इथेन ल व हाइड्रोजन से चलने वाली गाड़ियां दिखेंगी। गडकरी ने कहा अगर राजस्थान का विकास होगा तो देश का विकास होगा.. राजस्थान के किसानों को खुशहाली मिलेगी तो देश के किसानों को मिलेगी.. राजस्थान में प्रगति और समृद्धि, सम्पन्नता आएगी तो देश में आयेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, श्यह चुनाव हिन्दुस्तान की प्रगति बनाने वाला चुनाव है। हमको घर घर जाना होगा, विश्वास को जगाना है, भाजपा को जिताना होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

जयपुर में राहुल गांधी का बड़ा बयान, हम साथ हैं, कांग्रेस चुनाव जीतेगी

जयपुर (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी ने गुरुवार को

कहा कि पार्टी राजस्थान में एकजुट है और विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी। मीडिया से बात करते हुए, राहुल गांधी ने कहा, " हम एक साथ नजर नहीं आ रहे हैं, एक साथ है, एक साथ रहेंगे और कांग्रेस यहां चुनाव जीतेगी। उनकी टिप्पणी पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उनके पूर्व डिप्टी सचिन पायलट मुस्कुराए। कांग्रेस नेता की टिप्पणी रेगिस्तानी राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण है, जहां सबसे पुरानी पार्टी लगातार दूसरा कार्यकाल के लिए प्रयासरत है और कहा जा रहा है कि गहलोत और पायलट के बीच मतभेद है। पायलट ने 2020 में विद्रोह का नेतृत्व किया था। हालांकि, इस साल की शुरुआत में कांग्रेस नेतृत्व ने बातचीत के जरिए दोनों नेताओं के बीच मतभेदों को सुलझा लिया। कांग्रेस राज्य में आक्रामक तरीके से प्रचार कर रही है और उसने दोबारा सत्ता में आने पर राज्य के लोगों को सात गारंटी देने की भी घोषणा की है।

200 सदस्यीय विधानसभा के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

रोडवेज का किराया बढ़ा और यात्री घटे, यात्रियों की संख्या में आई 7 प्रतिशत गिरावट

लखनऊ(संवाददाता)। राज्य परिवहन निगम प्रदेश के नागरिकों के लिए सबसे बड़ा यातायात का साधन मुहैया कराने वाला महकमा है मगर सुविधा के बजाय किराया बढ़ाने की बढ़ी प्रवृत्ति नुकसानदेह साबित हो रही है।ज्यादा यात्री करेंगे सफर तभी बढ़ेगी आमदनी। निगम की बसों का किराया बढ़ा तो सफर करने वाले कम हो गए। इसका असर रोडवेज की आय पर पड़ा। नया किराया लागू होने के 6 माह बाद जब आकलन किया गया तो पता चला कि यात्रियों की संख्या में 7 फीसदी गिरावट पाई गई है।इससे रोडवेज को पिछले वर्ष के मुकाबले समान अवधि में 77 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। अप्रैल से अक्तूबर के बीच आय को लेकर की गई समीक्षा में चौकाने वाले तथ्यों ने चौका दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक किराया बढ़ाने के बाद यात्रियों की संख्या कम हो गई। रोडवेज की आय भी प्रभावित हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यकुशलता का अभाव और मिलकर प्रयास नहीं करने से यह स्थिति हुई है। किराया बढ़ाने से पहले प्रति बस यात्री लोड 70 फीसदी था वहीं किराया बढ़ाने के बाद घटकर 63 फीसदी रह गया। यात्रियों की संख्या और आय बढ़ाने के उपायों की तलाश के लिए जीएम संचालन के नेतृत्व में एक कमेटी गठित कर दी गई है। यह कमेटी यात्रियों की संख्या घटने की वजहों का भी पता लगाएगी। किराया कम करने के विकल्पों पर भी सुझाव देगी। निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने नौ नवंबर को एक चिट्ठी आरएम और एआरएम को भेजी, जिसमें रोडवेज बसों के खराब इनकम और व्यवस्था को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। अफसरों को निर्देशित किया है कि आगामी माह में आय में सुधार नहीं होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। ज्ञातव्य है कि 2012 में चार पैसा प्रति किलोमीटर किराया बढ़ाया गया था। वही2013 में चार पैसा प्रति किलोमीटर, 2014 में पांच पैसा प्रति किलोमीटर,2016 में सात पैसा प्रति किलोमीटर,2017 में नौ पैसा प्रति किलोमीटर,2020 में दस पैसा प्रति किलोमीटर और 2023 में 25 पैसा प्रति किलोमीटर की दर से किराया बढ़ाया गया है। इतना ही नही लगेज का भी शुल्क बढ़ा है। लगेज शुल्क बढ़े या न बढ़े ,निगम की आय पर फर्क नहीं पड़ने वाला है क्योंकि भाड़ा तो फायदेमंद होगा जब परिचालक लगेज बुक करें। लगेज बस में होता जरूर है लेकिन बिना बुक किये गन्तव्य तक पहुँचता है। यात्री भुगतान करते हैं लेकिन पैसा परिचालकों की जेब तक रह जाता है। इसके पीछे निगम प्रशासन की लापरवाही है।

सम्पादकीय.........

सरकार की नजर

ओटीटी प्लेटफार्मों पर जिस तरह का कंटेंट परोसा जा रहा है उस पर समाज के कई वर्ग कड़ी आपत्ति जता रहे हैं। इन वर्गों की राय है कि अ नलाइन दिखाए जाने से पहले उनकी सामग्री की अश्लीलता और हिंसा के लिए स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जानी चाहिए। जबकि भारतीय सिनेमाघरों में सभी फिल्में सरकार द्वारा नियुक्त बोर्ड द्वारा समीक्षा और प्रमाणन से गुजरती हैं, लेकिन ओटीटी प्लेटफार्मों पर स्ट्रीम की गई सामग्री इस प्रक्रिया से मुक्त रहती है। ओटीटी प्लेटफार्मों पर दिखाये जा रहे सीरियलों में सैक्स और वायलेंस की भरमार है। अश्लीलता अपनी सारी सीमाएं पार कर रही है। अब सरकार एक नया कानून ला रही है जिसके चलते ओटीटी प्लेटफार्मों पर भी सरकार की नजर रहेगी। केंद्र सरकार ने नेटफ्लिक्स, डिजनी और अमेजॅन जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों को विनियमित करने के उद्देश्य से एक नए प्रसारण कानून का प्रस्ताव रखा है। मसौदा व्यक्तिगत सामग्री मूल्यांकन समितियों की स्थापना की वकालत करता है। विधेयक इन स्ट्रीमिंग दिग्गजों को सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 पर भरोसा किए बिना पूरी तरह से सूचना और प्रसारण मंत्रालय के दायरे में लाने का प्रयास करता है। एमआईबी ने सार्वजनिक परामर्श के लिए प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक, 2023 पेश किया। इसका उद्देश्य मौजूदा केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम, 1995 को प्रतिस्थापित करना और सभी मौजूदा कानूनों और नीतियों को एक सामंजस्यपूर्ण ढांचे के भीतर सुव्यवस्थित करना है। मसौदा कानून दस्तावेज के अनुसार, "प्रत्येक प्रसारक या प्रसारण नेटवर्क अ परेटर को विभिन्न सामाजिक समूहों के सदस्यों के साथ एक सामग्री मूल्यांकन समिति (सीईसी) स्थापित करनी होगी," जो 30 दिनों के लिए सार्वजनिक परामर्श के लिए खुला है। यह कानून केंद्र सरकार को किसी भी अ नलाइन क्रिएटर या समाचार मीडिया प्लेटफ र्म को विनियमित करने की शक्ति भी प्रदान करेगा। यह विधेयक सरकार को "प्रसारण सेवाओं के अलावा जो प्रसारण नेटवर्क या प्रसारण सेवाओं से जटिल रूप से जुड़े हुए हैं" सेवाओं को विनियमित करने का अधिकार देता है। प्रस्तावित कानून केंद्र सरकार को सीईसी के आकार, कोरम और परिचालन संबंधी विशिष्टताओं को निर्धारित करने का अधिकार देता है। मसौदा कानून के अनुसार, केवल इस समिति से प्रमाणन प्राप्त करने वाले शो ही प्रसारण के लिए पात्र होंगे। समाज का एक वर्ग कहता है कि भारत में अब 20 करोड़ के लगभग ओटीटी प्लेटफार्म उपयोगकर्ता हैं और जैसे–जैसे भारत में मोबाइल और इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की संख्या में बढ़ौतरी हो रही है वैसे ही ओटीटी प्लेटफार्मों के उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि हो रही है। इतनी बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं को कंटेंट प्रदान किया जा रहा है उसे भी विनियमित किया जाना जरूरी है। देश की हाईकोर्टों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कंटेंट को लेकर कई मामले दर्ज किए गए हैं। सरकार द्वारा आपत्तिजनक कंटेंट को नियंत्रित करने के लिए कानून लाया जाना एक सही कदम है या नहीं इस संबंध में समाज के एक वर्ग की राय पूरी तरह विपरीत है। भारतीय एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने सरकार द्वारा कानून लाने के कदम की आलोचना की है और उसे पूरी तरह से गलत बताया है। उनका कहना है कि फिल्मों और कहानियों को सैंसर करना अथवा उन्हें नियंत्रित करना एक तरह से विचारों को नियंत्रित करने जैसा है, जो कि लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। डिजिटल मीडिया को नियंत्रित करने से भारतीय नागरिकों की रचनात्मक स्वतंत्रता प्रभावित होगी तथा इस उद्योग काध विकास रुक जाएगा। फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़े लोगों का यह भी कहना है कि "उदारीकरण के ऐतिहासिक अवसर को बर्बाद किया जा रहा है और सेंसरशिप और सरकारी नियंत्रण का एक पितृसत्तात्मक तंत्र प्रस्तावित किया गया है।" इससे पहले जुलाई में मंत्रालय ने निजी तौर पर नेटफ्लिक्स और अन्य स्ट्रीमिंग सेवाओं से कहा था कि अ नलाइन दिखाए जाने से पहले उनकी सामग्री की अश्लीलता और हिंसा के लिए स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जानी चाहिए। कई विशेषज्ञ संतुलित मार्ग अपनाने का सुझाव देते हैं। इससे पहले सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए नई गाइड लाइन जारी की थी और नए कोड अ फ एफिक्स पेश किए थे। गाइड लाइन में यह भी कहा गया था कि अगर घकिसी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कोई आपत्तिजनक कंटेंट डाला जाता है तो उसे सरकारी आदेश के बाद 24 घंटे की समय सीमा के भीतर हटाना होगा। ओटीटी प्लेटफार्मों पर सरकार की नजर रहना अच्छा है या बुरा है इस पर राय अभी बंटी हुई है।

कान पकड़े... तो कभी माथे पर चिपकाया सिक्का, बच्चों संग मस्ती करते नजर आए पीएम मोदी

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बच्चों से काफी लगाव है। जब भी उन्हें समय मिलता है तो वह बच्चों संग मस्ती करने का कोई के कुछ पल! उनकी ऊर्जा और उत्साह मन को उत्साह से भर देते हैं। प्रध ाानमंत्री आवास पर पीएम मोदी ने एक परिवार से मुलाकात की थी।

भी मौका नहीं छोड़ते। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पीएम मोदी बच्चों को अपने सिर पर सिक्का चपका कर जादू करते हुए नजर आ रहे हैं। प्रध ाानमंत्री के इस वीडियो को लोगों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा–मासूम बच्चों के साथ आनंद इस दौरान परिवार के साथ बच्चे भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने मिलने आए बच्चों के साथ खूब मस्ती की। प्रधानमंत्री ने पहले दोनों बच्चों के कान पकड़कर हिलाया। इसके बाद एक सिक्के को सिर पर चिपका कर बच्चों को एक ट्रिक दिखाया। पीएम मोदी ने बच्चों से भी ऐसा करने को कहा। पीएम मोदी को अक्सर छोटे बच्चों के साथ इस छोटे से खेल का आनंद लेते देखा गया है।पीएम मोदी के इस वीडियो को बीजेपी ने भी अपने आधि ाकारिक हैंडल श्क्सश पर पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा है– बच्चों के साथ बच्चे बन जाते हैं मोदी जी. ..। इस वीडियो को खबर लिखे जाने तक करीब 456.2के व्यूज मिल चुके हैं। इस वीडियो पर यूजर भी जमकर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रोहित सिन्हा नाम के एक यूजर ने लिखा–अपने देशवासियों को अपना प्यार देते हुए हमारे देश के सच्चे प्रधानसेवक, पीएम मोदी को बहुत–बहुत धन्यवाद। इससे पहले पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास पर स्कूली बच्चों के साथ रक्षा बंधन मनाया। बच्चों ने मुस्कुराते हुए प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया और उन्हें पवित्र धागा बांधा। जैसे ही लड़कियों ने राखी बांध ी, पीएम मोदी ने स्नेह भरी मुस्कान के साथ उनका स्वागत किया, उनसे बातचीत की और उनके नाम पूछे। एक मनमोहक क्षण में, जब पीएम मोदी झुककर उसे आशीर्वाद देने के लिए आगे बढ़े तो उनमें से एक लड़की ने उनके गाल पर चुम्बन किया।

20 से 26 नवम्बर तक मनाया जायेगा ''आवास सप्ताह''

लखनऊ(संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत 20 नवम्बर को ''आवास दिवस'' तथा 20 से 26 नवम्बर तक ''आवास सप्ताह'' मनाये जाने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा 20 नवम्बर 2016 को प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण का शुभारम्भ किया गया था, तभी से प्रत्येक वर्ष 20 नवम्बर को विभिन्न स्तर पर ''आवास दिवस'' मनाया जाता है। सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष इस दिवस के लिए अलग–अलग थीम निर्धारित की जाती है तथा उसके अनुसार राज्य जनपद, विकास खण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यवाही की जाती है।आवास दिवस व आवास सप्ताह मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को शत–प्रतिशत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीयकिश्त की धनराशि के अन्तरण

के साथ ही आवासों की पूर्णता एवं आध ाार पेमेन्ट ब्रिज के माध्यम से शत–प्रतिशत भुगतान की कार्यवाही को बढ़ाना है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम मेंमुख्य विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि ''आवास दिवस'' एवं 'आवास सप्ताह' के दौरान आवास साफ्ट पर शत–प्रतिशत कनवर्जेन्स की सीडिंग किया जाना सुनिश्चित किया जाए, शत–प्रतिशत आधार सीडिंग एवं आधार अथेन्टिकेशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को शत–प्रतिशत एनआरएलएम फोल्ड में ले आने की कार्यवाही की जाय। लाभार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त की धनराशि अभियान चलाकर अवमुक्त किया जाने की कार्यवाही की जाय, जिससे ससमय आवासों का निर्माण पूर्ण हो सके।निर्देश दिए गए हैं कि पूर्ण आवासों का गृह प्रवेश कराया जाय और ग्रामपंचायत, विकास खण्ड एवं जनपद को संतृप्त करने की कार्यवाही किया जाय वराज्य एवं जनपद स्तर पर आवास की सफलता की कहानी तैयार की जांय तथा आवास दिवस को विमोचित कराया जाय।

इसके अतिरिक्त राज्य जनपद, विकास खण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आवास कीपूर्णता एवं अन्य गतिविधि यों के लिए स्थानीय स्तर पर अन्य गतिविधियों जोउचित हों, उसे प्रोत्साहित किया जाय। ग्राम्य विकास आयुक्त ने ''आवास दिवस'' एवं ''आवास सप्ताह'' मनाये जाने के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा कार्यक्रम से सम्बन्धित फोटोग्राफ, वीडियों क्लिप एवं सफलता की कहानी से सम्बन्धित बुकलेट मुख्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारियों को दिए हैं।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में लगाया जायेगा एंटीस्लीप डिवाइस

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में जल्द ही एंटी स्लीप डिवाइस लगाया जाएगा। प्रायोगिक तौर पर 10 बसों में यह लगाया जा रहा है। परिवहन मंत्री ने बताया कि एंटी स्लीप डिवाइस लगाये जाने के लिए एजेंसी का चयन हो चुका है। उन्होंने बताया कि मे इनसेप्टम टेक्निका स ल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड का चयन विभाग द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि यह सफल रहा तो जल्द ही प्रथम चरण में 680 बसों में एंटी स्लीप डिवाइस लगाई जाएगी। एंटी स्लीप डिवाइस लोगों के सुरक्षा के लिए बहुत ही कारगर साबित होगा। उन्होंने बताया कि एक्सीडेंट की आशंका को देखते हुए इस एंटी स्लीप डिवाइस के माध्यम से एलईडी पर ब्लिंक होने लगेगा। जो की नाइट मोड में 5 से 8 सेकंड तथा डे–मोड में 6 से 9 सेकंड का होगा। तत्पश्चात बजर की आवाज आनी शुरू होगी। इसके पश्चात् सायरन बजेगा, तत्पश्चात एसएमएस मुख्यालय पर पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि क्लाउड पर डाटा भी स्टोर हो जाएगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि इस डिवाइस को लगाने में लगभग 14 हजार रूपये प्रति यूनिट खर्च आएगा।

गोरखपुर/ हिस्ट्रीशीटर में खौफ प्रशासन के डर से जिला छोड़ भाग रहे हैं हिस्ट्रीशीटर

क्षेत्र में हिस्ट्री सीटर अमरनाथ यादव के घर पर प्रशासन ने चश्पा किया नोटिस

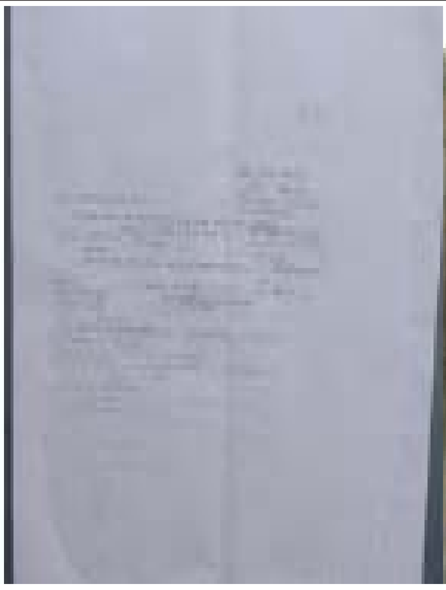

गोरखपुर। एसएससी ड गौरव ग्रोवर के निर्देशानुसार हिस्ट्री सीटरो की धर पकड़ के लिए चलाया जा रहा है अभियान के तहत गोरखनाथ थाना प्रभारी ने हिस्ट्रीशीटर की चाल अंचल संपत्ति पर जांच कर चश्मा किया नोटिस उपनिरीक्षक अनूप तिवारी, व उपनिरीक्षक राहुल दुबे, व मुख्य आरक्षी अनिल कुमार सिंह ने गोरखनाथ थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह,के आदेशानुसार गोरखनाथ थाना क्षेत्र का निवासी लक्ष्मीपुर खास का रहने वाला है। हिस्ट्रीसीटर अमरनाथ यादव मान्य न्यायालय के सामने न हाजीर न होने के कारण एन बी डब्लू जारी किया हिस्ट्रीशीटर अमरनाथ यादव गिरफ्तारी तक कार्रवाई जारी रहेगी। आज दिनांक 13/11/2023 को समय लगभग दोपहर 12:30 बजे के आसपास हिस्ट्रीसीटर अमरनाथ यादव के घर पर लगाया गया चश्मा नोटिस जिसमें माननीय न्यायालय के सामने दिनांक 21/11/2023, माननीय न्यायालय के सामने पेश न होने पर उनकी सारी संपत्ति को जप्त किया जा सकता है।

डेला अवार्ड से सम्मानित व संसदीय कार्य समिति के सदस्य समाजवादी चिंतक दीपक मिश्र व सर्व समाज सेवा संस्थान के संस्थापक धीरज गुप्ता एंव सदस्यों ने फुटपाथ पर रहने वालें बच्चों के साथ दिवाली मनाईं

गोरखपुर। मंडेला अवार्ड से सम्मानित व संसदीय कार्य समिति के सदस्य समाजवादी चिंतक दीपक मिश्र व सर्व समाज सेवा संस्थान के संस्थापक धीरज गुप्ता एंव सदस्यों ने फुटपाथ पर रहने वालें बच्चों के साथ दिवाली मनाई एवं बच्चों को मिठाई, भूजा व छुरछुरी व अनार बाटें मिठाई और

Global South must work towards self&reliance by diversifying production: Jaishankar

Jaishankar said there continues to be resistance to a greater role for the Global South in finding solutions for contemporary challenges despite wide&ranging

changes to the world order The Global South should work towards self&reliance by diversifying production] building reliable supply chains and promoting local solutions to overcome the Þperils of dependence---on far away geographiesß] eÛternal affairs minister S Jaishankar said on Friday in a thinly veiled swipe at China- Addressing a session for foreign ministers at the virtual Voice of Global South Summit] Jaishankar said there continues to be resistance to a greater role for the Global South in finding solutions for contemporary challenges despite wide&ranging changes to the world order- Though Jaishankar didn*t name any countries in his remarks] he was apparently referring to China when he brought up issues such as ensuring the reliability of supply chains and the transparency of development projects- During India*s G20 presidency] the country sought to project itself as the voice of developing countries] many of which had earlier been wooed by China through its Belt and Road Initiative- The Global South] Jaishankar said] needs to work towards self&reliance to Þmitigate our vulnerabilities vis&à&vis economic concentrationsß] since the Covid&19 era was a Þstark reminder of the perils of dependence for basic necessities on far away geographiesß- ÞWe need to not only democratise and diversify production but build resilient and reliable supply chains and promote local solutions- Only then can the Global South secure its future]ß he said- Jaishankar emphasised India*s commitment to the Global South by pointing to an eÛtensive range of development projects taken up by New Delhi in 78 countries-ÞThese projects are demand driven] outcome oriented] transparent and sustainable- I assure you that this will only eÛpand in its scale and scope in the times ahead]ß he added- ndia will also have the Global South at the centre of international partnerships as it embraces digital delivery] promotes green growth and ensures affordable health access- He also highlighted the growing stress on the global economy] saying that long& standing structural inequities were aggravated by the pandemic and that the situation had been worsened by the fuel] food and fertiliser crises arising from the Ukraine conflict- ÞResource challenges] financial constraints] disrupted trade and climate events have added to our burdens- As a result] growth prospects are as daunting as the SDG landscape is grim]ß he said- Jaishankar noted that Prime Minister Narendra Modi had said that India*s priorities for its G20 presidency would be shaped in consultation with not just G20 partners but also the Global South] Þwhose voice often goes unheardß- He said] ÞIndia has since walked the talk] by hosting the first Voice of Global South Summit in January--- to elicit and deliberate on the key concerns and priorities of the Global South- This] in turn] informed our approach to the G20 discussions throughout the year-ß He emphasised several key outcomes of the G20 Summit] including efforts to accelerate progress on the SDGs through an action plan] a green development pact for a sustainable future] voluntary principles on green hydrogen] the Deccan principles on food security and nutrition] and the stress on digital public infrastructure ¼DPI½- ÞPerhaps] the most satisfying outcome of our G20 presidency was the inclusion of the African Union as a permanent member- By doing so] we have given voice to 1-4 billion people of Africa]ß Jaishankar said-

Amid Rashmika Mandanna row] PM Modi speaks up on deepfake Misuse of AI problematic

PM Modis statement comes days after a ^deepfake video of Rashmika Mandanna went viral on social media- Prime Minister Narendra Modi on Friday flagged the misuse of artificial intelligence for creating deepfakes] and said the media must educate people about this crisis in making- Deepfake videos are synthetic media in which a person in an eÛisting image or video is replaced with someone elses likeness- Modis statement comes days after a ^deepfake video of actress Rashmika Mandanna] that was suspected to be made with the help of artificial intelligence] went viral on social media- The original video was stated to be of a British&Indian influencer] whose face had been edited with Mandannas face- Addressing journalists at Bharatiya Janatas Diwali Milan programme at the partys headquarters in New Delhi] Modi also referred to his resolve to make India Viksit Bharat ¼developed India½] saying these are not merely words but a ground reality- He also said that vocal for local has found peoples support- Modi further said that Indias

achievements during the Covid&19 pandemic created confidence among the people that the country is not going to stop now- He also said that Chhath Puja has become a rashtriya parva ¼national festival½ and it is a matter of great happiness- The video of Mandanna had led to widespread calls for regulation of the technology- Rajeev Chandrasekhar] Union minister for electronics and technology] had said on the social media platform X that deep fakes are the latest and a Þmore dangerous and damaging form of misinformationß that need to be dealt with by social media platforms- He also cited the legal obligations of social media platforms and IT rules pertaining to digital deception-

Comprehensive steps taken to curb stubble burning in Uttar Pradesh

Measures include distributing biodecomposers to farmers for free] providing them agricultural equipment for effective crop residue management among others The Uttar Pradesh government has undertaken comprehensive measures to curb incidents of winter stubble burning] a government spokesman said here on Tuesday- The spokesman further said the measures included distributing biodecomposers to farmers for free] providing them agricultural equipment for effective crop residue management and launching a largescale awareness campaign against the practice in the state- ÞA recent presentation by the agriculture department regarding stubble management before the chief secretary highlighted that a 50% subsidy is being provided on single agricultural equipment- Besides] 44]363 single agricultural equipment have been distributed to farmers so far]ß he said- The government has approved a total of 4]439 single agricultural equipment in the year 202324- Additionally] a total of 7]621 forms have been distributed among the farmers producer organisation ¼FPO½ cooperative societies and gram panchayats out of which approval has been granted for 296 forms in 202324- Last year] 13]22]250 biodecomposers were distributed] while the target for 202324 is to distribute 17 lakh biodecomposers- As of now] 1]66]600 biodecomposers are in the process of being supplied to farmers in 202324- ÞFurthermore] effective coordination among officials in various departments at the district level] such as sugarcane] basic education] revenue] rural development] panchayati raj] local bodies] police and transportation will be ensured]ß the spokesman said- ÞDissemination of information about stubble utilisation will be facilitated by promoting units based on crop residue in the neighbouring districts- Task forces are being formed at the village] nyaya panchayat] development block] tehsil] and district levels in this regard]ß he added-

Despair still shrouds Saharas duped investors decades later

The death of Sahara group founder Subrata Roy has left many investors in Uttar Pradesh despondent] as they fear they will never get their money back- For most of his life] Intezar Ali was a gregarious and popular man- Born in the Bastineighbourhood of Gorakhpur] Ali was 25years old when he was appointed a regional officer by the Sahara group] among the first handful of people hired by the then fledgling company- In the eastern Uttar Pradesh town at the time] Sahara group founder Subrata Roys eÛploits were legendary] having gone from selling snacks on his Lambretta scooter to jousting with the choicest Bollywood celebrities] corporate titans and cricketers- As the stature of Sahara Þshriß Roy boomed] so did Alis standing among his peers-

He would go from house to house] convincing people to invest in the Sahara schemes by way of investments of as low as ?20 and assuring impossibly handsome returns later- ÞI had 8 to 10 teams and as many promoters under me and each team had 10 collection agents]ß he said] now 65 years old- By the late 2000s] however] the tide was turning- Sahara was caught in a vorteÛ of ponzi scheme allegations and the market regulators were closing in- Roy] the founder and chairman of Sahara] was arrested in March 2014 for failing to attend a contempt of court hearing- He got bail in 2016 but by then] the business had been wrecked] and his reputation was shot- And when Roy died late on Tuesday after a period of illness] Ali was left despondent- ÞI dont attend any events] even family weddings] and avoid public functions for fear of being besieged by investors wanting their money back]ß said Ali- He has moved out of his old neighbourhood] and lives alone because the social stigma prompted his family to shun him- ÞMany are now aware of a government sponsored refund plan but we still get around 30 calls on an average- Even in my dreams I keep hearing] ^bhai humara paisa dilao ¼please get our money back½]ß he added-

Such stories abound across the length of Indias most populous state where tens of thousands of people were taken in by the glamour of a local man who rubbed shoulders with the global elite] owned a fleet of eÛpensive cars and properties such as New Yorks Plaza Hotel and Londons iconic Grosvenor House] sponsored the Indian cricket team] and owned Formula One racing team and an airline- Roy was among Indias bestknown industry captains and his influence among the political class was substantial- But trouble was already brewing- In 2011] the Securities and EÛchange Board of India ordered two Sahara Group firms Sahara India Real Estate Corporation Ltd ¼SIREL½ and Sahara Housing Investment Corporation Ltd ¼SHICL½ to refund the money raised from nearly 30 million investors through certain bonds known as Optionally Fully Convertible Bonds ¼OFCDs½- The regulator ruled that the funds were raised in violation of its rules and regulations- The neÛt year] the Supreme Court upheld Sebis directions- Sahara was eventually asked to deposit an estimated ?24]000 crore with Sebi for further refund to investors- Yet] bureaucratic hurdles and lack of proper records meant that the refund process proceeded slowly- Undistributed funds totalling nearly ?25]000 crore are lying with Sebi- For many people] therefore] Roys death signified an additional hurdle- Syed Shahab is one of them- The 59yearold was among the promoters of Roys Sahara Housing scheme in Gorakhpur-

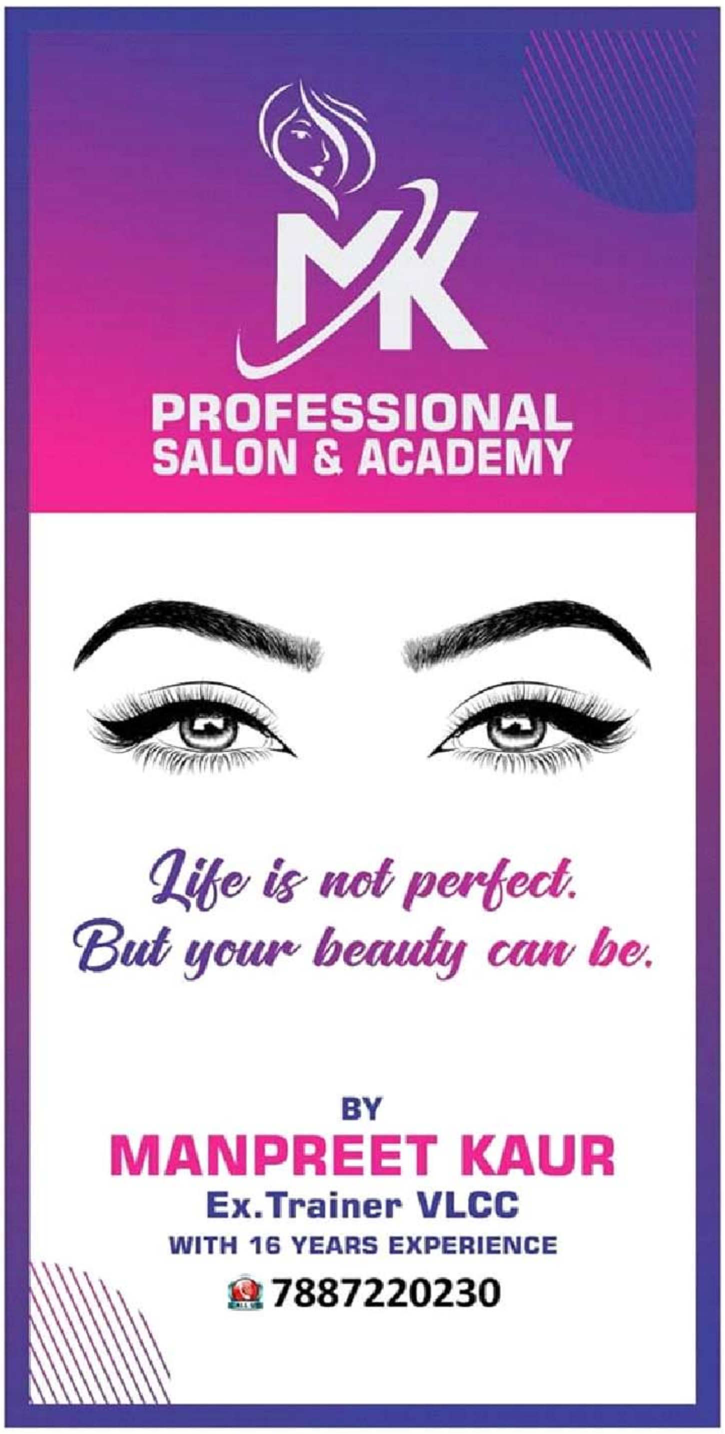

What are the chances of Virat Kohli beating Sachin Tendulkars 100 century record

Virat Kohli scored his 50th ODI century] which takes his 100 count to 80 in international cricket] but already 35] are 20 more tons a bridge too far to cross\ It

took Sachin Tendulkar 4 years and 664 international matches across the three formats to sign off with 100international centuries- Virat Kohli has 80 tons in 15 years and 517 appearances- Of all the active cricketers] Kohli is the only one with a shout at overhauling hisheros eÛtraordinary accomplishment] but does that mean it is a cinch\ That its only a matter of time before Kohli moves past the man who redefined the art of batsmanship\ Life is not a blackandwhite] linear proposition] sport even less so- A little under 15 months back] even Kohli must have been wondering where his neÛt international hundred would come from- Between November 2019 and the beginning of September 2022] he tilted at the windmills numerous times] but went without a threefigure knock for 1]020 days- Then] he registered his first Twenty20 International century] against Afghanistan in the Asia Cup] and the proverbial floodgates have opened again- In the 14 months since his unbeaten 122 in Dubai against Afghanistan] Kohli has smacked nine further tons] two in Tests and as many as seven in 50over cricket] including three in this World Cup alone- If this isnt a second wind] then nothing is- Again] this is no guarantee that the hundreds will keep coming] that he will keep closing in ineÛorably on Tendulkar- Of the various things that go into this process] the most influential from a Kohli perspective is drive and ambition] intensity and hunger- For long now] Kohli has shown scant regard for records and milestones- He isnt obsessed with numbers and statistics as much as with doing his bit for the team] contributing to the sides success- He wont chase history with the same singlemindedness as] say] Kapil Dev did nearly three decades back when he set off in pursuit of Richard Hadlees record 431 Test wickets ¼at the time½- For Kohli] records are a byproduct of his pursuit of eÛcellence; statistical milestones will not be his motivation- Kohli is 35] he has been playing for the country for more than a decade and a half- Closer to the end of his career than its beginning] its inevitable that he will have to prioritise- He has a young family] and while cricket holds him in its clinch] it doesnt consume him- Cricket isnt his beall and endall] but you wouldnt guess that] given his intensity and will to win when he is out in the middle] either with bat in hand or haring around energetically in the field] whipping up a storm while playing the conductor to the orchestra that is the huge crowds at Indian grounds- It#39;s probable that Kohli has played his last T20I – he hasnt represented the country in that format since the World Cup in Australia 12 months back – and that he might gradually phase himself out of 50over cricket- By the time of the neÛt 50over World Cup in 2027] Kohli will be closing in on 39; its not unlikely that those entrusted with taking Indian cricket forward will soon start looking at the future- Whether Kohli figures in that future] so far down the line] is open to question- He is without a doubt the fittest cricketer on the planet today] but whether that will translate to being able to compete with younger men on an equal footing four years hence is anyones guess-

मनोरंजन

शिल्पा शेट्टी की दिवाली पार्टी में मृणाल ठाकुर, बादशाह ने एक-दूसरे का हाथ थामा, डेटिंग की अफवाहें उड़ी

ब लीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने हाल ही में एक दिवाली पार्टी की मेजबानी की, जिसमें बी टाउन सेलेब्स शामिल हुए। इस पार्टी की कई तस्वीरें वायरल हुई, लेकिन अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और रैपर बादशाह की खास तस्वीर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। पार्टी का एक वीडियो, जिसमें मृणाल को रैपर के साथ दिखाया गया है, वायरल हो गया है, जिससे दोनों के एक–दूसरे को डेट करने की अटकलें लगने लगी हैं। वीडियो में मृणाल और बादशाह हाथ पकड़कर शिल्पा की दिवाली पार्टी से बाहर निकलते दिख रहे हैं। रेडिट पर इसे शेयर करते हुए एक शख्स ने लिखा, मृणाल और बादशाह कल शिल्पा की दिवाली पार्टी में, क्या वे डेटिंग कर रहे हैं? जल्द ही, कई लोगों ने क्लिप पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बादशाह और होस्ट शिल्पा शेट्टी के साथ उनकी भव्य दिवाली पार्टी की एक तस्वीर भी साझा की। कैप्शन में लिखा दो पसंदीदा।ß

बादशाह ने इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी रीपोस्ट किया। वीडियो में मृणाल को हरे रंग का एथनिक आउटफिट पहने देखा जा सकता है। वीडियो में एक्ट्रेस के पीछे चल रहे बादशाह को काले कुर्ते में देखा जा सकता है। एक रेडिट यूजर ने लिखा, ष्एक जोड़े के रूप में मैंने उनसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी। वाह। वास्तव में वाह।ß दूसरे ने कहा, ष्क्या वह शादीशुदा नहीं है और उनका एक बच्चा भी है? बादशाह की पहली शादी जैस्मिन मसीह से हुई थी। उन्होंने 2020 में तलाक ले लिया। इससे पहले मृणाल तब सुर्खियों में आई थीं जब एक अव र्ड शो के दौरान तेलुगु प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद ने उन्हें आशीर्वाद दिया था। अल्लू अरविंद का आशीर्वाद प्रकट होने के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम के दौरान अल्लू अरविंद ने अभिनेत्री को उनकी शादी के लिए आशीर्वाद दिया और कामना की थी कि वह शादी के बाद हैदराबाद शहर में बस जाएं। उन्हें सीता रामम के लिए मृणाल को सर्वश्रेष्ठ महिला अभिनेत्री का पुरस्कार देना था। कार्यक्रम में अरविंद ने मृणाल को जल्द शादी करने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा "मुझे उम्मीद है कि उसे जल्द ही एक पति मिल जाएगा। मैं चाहता हूं कि वह हैदराबाद में बस जाएं। तब से मीडिया रिपोर्टों ने अभिनेत्री को एक तेलुगु स्टार से जोड़ा जा रहा है। हालांकि, मृणाल के प्रतिनिधि ने साझा किया था कि अभिनेत्री की शादी अभी तय नहीं हुई है। उन्होंने आईएएनएस को बताया कि ये खबरें निराधार हैं और फिलहाल उनकी एकमात्र प्राथमिकता उनका काम है।

टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया में नजर आएंगे एल्विश यादव

बिग ब स ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया के एक एपिसोड में प्यार और रिश्तों के बारे में बात करते हुए नजर आएंगे। नोएडा में सांप और सांप के जहर के साथ एक रेव पार्टी को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले एल्विश ने कहा, "किसी ऐसे व्यक्ति का होना जो आपका समर्थन करता हो, महत्वपूर्ण है। सही साथी का चयन वास्तव में आपके जीवन की दिशा को प्रभावित कर सकता है। एक अच्छा साथी एक मजबूत समर्थन प्रणाली की तरह है, जो आपको आवश्यक समर्थन और प्रोत्साहन देकर कठिन समय में आपकी मदद करता है। उन्होंने कहा, किसी ऐसे व्यक्ति का होना जो आपके सपनों और लक्ष्यों पर विश्वास करता हो, आपको सफलता की ओर धकेल सकता है। एल्विश रियलिटी शो टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया में अपनी यात्रा का वर्णन करेंगे। यूट्यूब पर अपने मनोरंजक और प्रासंगिक कंटेंट के लिए जाने जाने वाले एल्विश अपनी ऊर्जा को श्टेम्पटेशन आइलैंड इंडियाश में लाने के लिए तैयार हैं। टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होता है।

टाइगर 3 की स्क्रीनिंग के दौरान सलमान के प्रशंसकों ने पटाखे फोड़े

सत्या, सरकार, कंपनी, शिवा और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर प्रशंसित फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने एक थिएटर के अंदर से एक वीडियो साझा किया है, जिसमें ब लीवुड सुपरस्टार सलमान खान की नवीनतम रिलीज टाइगर 3 दिखाई जा रही थी। वीडियो में कुछ लोगों को बड़े स्क्रीन पर टाइगर 3 शुरू होते ही पटाखे फोड़ते हुए दिखाया गया है। अन्य लोग, जो पटाखों से डरे हुए थे, उन्हें थिएटर के अंदर छिपने और सुरक्षा के लिए भागते देखा जा सकता है। अन्य वीडियो में सलमान खान के कुछ प्रशंसकों ने थिएटर के अंदर र केट भी दागे।

राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, और, हमें लगता है कि हम पागल नहीं हैं। इंटरनेट पर कई लोगों ने वीडियो पर नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सभी के जीवन को खतरे में डालने के लिए प्रशंसकों की आलोचना की। यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान की फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान ऐसी घटना हुई हो। सुपरस्टार के पास बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं, जिससे हर बार उनकी फिल्म रिलीज होने पर उत्साह को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। 2021 में अंतिम द फाइनल ट्रूथ की रिलीज के दौरान प्रशंसकों ने एक थिएटर के अंदर पटाखे फोड़े। सलमान ने सोशल मीडिया पर आते ही इस मामले का संज्ञान लिया और उस समय इस घटना की निंदा की और प्रशंसकों से इसे दोबारा न दोहराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा था, मेरे सभी प्रशंसकों से अनुरोध है कि वे अ डिटोरियम के अंदर पटाखे न ले जाएं क्योंकि इससे आग लगने का बड़ा खतरा हो सकता है, जिससे आपकी और दूसरों की जान को खतरा हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, "थिएटर मालिकों से मेरा अनुरोध है कि वे सिनेमा के अंदर पटाखे ले जाने की अनुमति न दें और एंट्री प्वाइंट पर उन्हें ऐसा करने से रोकना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी जारी रखने के इच्छुक कमिंस, आईपीएल नीलामी में भी देंगे नाम

पैट कमिंस ने विश्व कप के बाद भी आस्ट्रेलिया का वनडे कप्तान बने रहने की इच्छा जताई है। कमिंस को पहले टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी लेकिन आरोन फिंच के पिछले साल अचानक संन्यास लेने के बाद उन्हें वनडे कप्तान भी बनाया गया। शुरूआती दो मैच हारने के बाद लगातार सात जीत के साथ आस्ट्रेलिया को विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले कमिंस ने कप्तानी बरकरार रखने का दावा पुख्ता कर लिया है।वनडे कप्तान के तौर पर भविष्य के बारे में पूछने पर 30 वर्ष के कमिंस ने कहा, ''बिल्कुल। हम इस पर बात करेंगे। मैं , एंड्रयू (मुख्य कोच) और ज र्ज (चयनकर्ता) सभी। इस टूर्नामेंट के बाद फोकस टेस्ट क्रिकेट पर रहेगा। जैसा कि अतीत में होता आया है, सफेद गेंद के क्रिकेट से ध्यान हटाकर टेस्ट क्रिकेट पर फोकस चला जाता है।'' उन्होंने कहा, ''मैने कार्यभार प्रबंधन बखूबी किया है और किसी एक प्रारूप को छोड़ने की जरूरत नहीं है।'' इस साल अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण आईपीएल से नाम वापिस लेने वाले कमिंस 2024 सत्र के लिये नीलामी में अपना नाम देंगे। आईपीएल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले खेला जायेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2022 में कमिंस को साढे सात करोड़ रूपये में खरीदा था। कमिंस ने कहा ,'' मुझे लगता है कि मैने काफी टी20 क्रिकेट नहीं खेला है।

जब भी आप वर्ल्ड कप खेल रहे हो, आप पर दबाव होगा

वर्ल्ड कप 2023 के पहले सेमीफाइनल में भारत और न्यूजीलैंड

के बीच कड़ी भिड़ंत होगी। इसके लिए पूरी टीम इंडिया तैयार है। कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि न्यूजीलैंड सबसे ज्यादा अनुशासित टीमों में से एक है। लेकिन भारत भी उनकी तरह विरोधी टीम की मानसिकता को समझता है। वर्ल्ड कप 2019 के बाद एक बार फिर से इस टूर्नामेंट में भारत और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में भिड़ने के लिए तैयार हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने प्री–मैच प्रेस क न्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने टीम की रणनीति के बारे में बताया।

दरअसल, रोहित शर्मा ने सभी को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि, पहले गेम से लेकर आखिरी गेम तक, जब भी आप वर्ल्ड कप खेल रहे हो, आप पर दबाव होगा। लेकिन जिस तरह से हमने दबाव को संभाला है, वह सराहनीय है। हम इसे जारी रखना चाहते हैं। भारत में आप पर हमेशा दबाव होगा, हम बाहरी शोर सुनने के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखना चाहते हैं।

वहीं भारतीय कप्तान ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ रणनीति के बारे में बताया। उन्होंने छठे गेंदबाजी विकल्प के बारे में कहा कि, जैसे ही हार्दिक पांड्या घायल हुए, हमारा संयोजन बदल गया। गेम नंबर एक के बाद से हम गेंदबाज के लिए दूसरों का भी इस्तेमाल करना चाहते थे। विकल्प होना अच्छा है लेकिन मुझे उम्मीद है कि हमारे सामने इसका इस्तेमाल करने की स्थिति ही नहीं आएगी।

शुगर को कंट्रोल करने वाले देसी नुस्खे, एक भी कर लिया तो मिलेगा फायदा

भारत में डायबिटीज यानि शुगर की बीमारी इतनी आम हो गई हैं कि आपको हर 11 में से 1 युवा इस बीमारी से पीड़ित मिल जाएगा। अगर समय रहते ब्लड शुगर लेवल (इसववक `नहंत समअमसे) को कंट्रोल न किया जाए तो रोगी के लिए जानलेवा भी हो सकता है। एक बार डायबिटीज हुई नहीं कि आपको हर चीज नाप–तोल कर खाने की हिदायत दी जाती है और रोजाना की एक गोली भी खाने को मिलती हैं लेकिन क्या डायबिटीज को हम कुछ घरेलू और देसी नुस्खों की बदलौत ठीक कर सकते हैं तो बता दें कि डायबिटीज के कुछ आसान से घरेलू नुस्खों को फ लो करके इस रोग को कंट्रोल में रखा जा सकता है। खान–पान की कुछ आदतों को बदलकर और कुछ चीजों को रोजाना अपनी डाइट में शामिल कर इस बीमारी को कंट्रोल में किया जा सकता है।

चलिए आपको उन नुस्खों के बारे में ही बताते हैं

नीम की पत्तियां

नीम की पत्तियां जितनी कड़वी होती हैं उतनी ही डायबिटीक पेशेंट के लिए फायदेमंद। इसमें फ्लेवोनोइड्स, ट्राइटरपेनोइड्स, एंटीवायरल पदार्थ और ग्लाइकोसाइड्स पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल के कंट्रोल करने में मदद करते हैं। आप नीम की पत्तियों का चूर्ण भी बना सकते हैं। बस इसकी पत्तियों को सुखाकर फिर ब्लेंडर की मदद से पीस लें। फिर चूर्ण बनाकर इसका दो बार सेवन करें। आप नीत की पत्तियों का पानी उबाल कर भी पी सकते हैं

करेले का जूस

हर दिन सुबह–सुबह करेले का जूस पीएं या करेले की सब्जी खाएं तो आप डायबिटीज की बीमारी से बच सकते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है।

जामुन

जामुन और जामुन की गुठली दोनों ही डायबिटीज मरीज के लिए फायदेमंद है। जामुन को काला नमक लगाकर खाएं और इसकी गुठली को सुखाकर, पाउडर बना लें। इस पाउडर को सुबह–शाम दो–दो चम्मच चूर्ण गुनगुने पानी के साथ खाएं।

अदरक

अदरक भी ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करने का काम करता है। अदरक इंसुलिन को बैलेंस में करता है। एक बर्तन में एक कप पानी और एक इंच अदरक डालकर 5 मिनट तक उबालें। इसे दिन में एक या दो बार पीने से डायबिटीज से छुटकारा मिल सकता है।

मेथी पाउडर

मेथी भी डायबिटीज में काफी प्रभावी मानी जाती है। यह ग्लूकोज की मात्रा को सही करती है और ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने का काम करती है। दो चम्मच मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रखें और सुबह–सुबह खाली पेट पानी और उसके बीजों का सेवन करें।

शतरंज खिलाड़ियों को टॉप्स में शामिल किए जाने की उम्मीद

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शतरंज खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल से

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष छाप छोड़ी है और उन्हें उम्मीद है कि सरकार उनके इस प्रदर्शन को मान्यता प्रदान करके उन्हें लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (ट प्स) में शामिल करेगी। हाल में फिडे ग्रैंड स्विस पर प्रतियोगिता में महिला और ओपन वर्ग का खिताब जीतकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले आर वैशाली और विदित गुजराती को लगता है कि सरकार जल्द ही शतरंज को इस योजना का हिस्सा बनाएगी।

इस बीच अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के उपाध्यक्ष भरत सिंह चौहान ने बताया कि खेल मंत्रालय ने उनसे कहा है कि "हम ट प्स के लिए आवेदन कर सकते हैं।'' ट प्स खेल मंत्रालय का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसमें ओलंपिक में शामिल खेलों के प्रमुख खिलाड़ियों को सहायता प्रदान की जाती है। आर प्रज्ञानानंदा, गुजराती और वैशाली को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट की तैयारी के लिए दो करोड रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने से जुड़े कार्यक्रम से इतर चौहान ने पीटीआई से कहा,''ट प्स हमारा समर्थन करने जा रहा है। उन्होंने हमसे आवेदन करने के लिए कहा है और बताया है कि वे हमारी सहायता करेंगे। इस पर चर्चा हो चुकी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार हर मोर्चे पर हमारी मदद कर रही है।'' शतरंज को ट प्स में शामिल किए जाने को लेकर गुजराती ने कहा,''अगर हमें ट प्स में शामिल किया जाता है तो हमें बहुत खुशी होगी। सरकार निश्चित तौर पर कई अच्छे काम कर रही है और ट प्स में शामिल किया जाना हमारे लिए सोने पर सुहागा जैसा होगा। मेरे कहने का मतलब है कि इससे हमें बेहतर सुविधाएं मिलेगी और अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए हम बेहतर तरीके से तैयारी कर सकते हैं।'' वैशाली को भी लगता है कि ट प्स में शतरंज के खिलाड़ियों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा,''एक खेल के रूप में शतरंज की लोकप्रियता बढ़ रही है। अगर यह खेल ट प्स का हिस्सा बनता है तो यह बहुत अच्छा होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसा होगा।

जल गई है स्किन तो तुरंत करें ये काम, नहीं होगी त्वचा में जलन

गर्म चाय, क फी या दूध गिर जाने के कारण त्वचा में बहुत ज्यादा जलन होने लगती है। अक्सर ऐसा होता है कि जब किचन में काम करते हुए भाप या फिर गर्म तेल के छींटे त्वचा पर आ जाते हैं। ऐसे में इसके कारण सारी त्वचा में जलन होने लगती है। त्वचा जल जाने के कारण यह लाल पड़ जाती है और बहुत जलन भी होती है। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिनके जरिए आप जलन से राहत पा सकते हैं। आइए जानते हैं...

त्वचा पर कुछ गर्म गिर जाए तो क्या करें?

त्वचा पर जब कोई गर्म भोजन या कोई पेय पदार्थ गिरने से सबसे पहले त्वचा की बाहरी परत ही प्रभावित होती है। इससे त्वचा पर जलन होती है और लाल निशान भी पड़ जाते हैं। इस जलन को पहली डिग्री की जलन या सतही जलन कहते हैं। यदि इस जलन का तुरंत कोई उपाय न किया जाए तो दर्दनाक छाले और फफोले पड़ जाते हैं और स्किन कहीं ज्यादा डैमेज हो जाती है।

अपनाएं ये तरीके कच्चा आलू

जली हुई जगह पर तुरंत पानी डालें और फिर कच्चा आलू धोकर कटी हुई जगह पर हल्का–हल्का रगड़ें। यदि रगड़ने वाली स्थिति नहीं है तो आप आलू को कद्दूकस करके लगाएं। आलू को त्वचा पर लेप की तरह लगाएं इससे स्किन पर छाले नहीं पड़ेंगे। इससे जलन शांत होगी।

एलोवेरा जेल

घर में यदि एलोवेरा लगाया है तो आप जलन की समस्या पर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा की ताजा पत्तियां काटें और फिर इसका जेल जले हुए पर लगाएं। इससे आपकी जलन शांत होगी और त्वचा में निशान भी नहीं पड़ेगा।

ठंडा पानी इस्तेमाल करें

जब स्किन जल जाए तो तुरंत नल खोलकर ठंडा पानी डालें। इससे कम से कम 10 मिनट तक लगाएं। इसके बाद त्वचा पर बर्फ जरुर लगाएं इससे स्किन पर ठंडक का अहसास होगा और यह रक्त प्रवाह भी सीमित कर देगी। जिससे समस्या बढ़ सकती है।

शहद

यदि आपको समझ नहीं आ रहा कि स्किन जलने पर क्या करें तो तुरंत शहद लगाएं। इसके लिए शहद को पहले सीधे जले पर लगाएं। दिन में 3–4 बार इस पट्टी को बदल दें।

आयुष्मान कार्ड बनाने में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान,देश में सर्वाधिक 4 करोड़ से अधिक बनाए गये कार्ड

लखनऊ(संवाददाता)। देश में सर्वाधिक आयुष्मान कार्ड बनाने में उत्तर प्रदेश ने प्रथम स्थान हासिल किया है दरअसल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन स्वस्थ भारत को पूरा करने के लिए लगातार दिशा निर्देश देते रहे है। यही वजह है कि पूरे देश में आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। वहीं इसके बाद क्रमशरू मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश का नंबर आता है। स्टेट एजेंसी फ र कम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (सांची) की सीईओ संगीता सिंह ने बताया कि प्रदेश के गरीब लोगों को निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के पात्र लाभार्थियों के शत–प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके लिए समय–समय पर प्रदेशभर में विशेष अभियान भी चलाया जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की म निटरिंग और दिशा–निर्देश का ही नतीजा है कि उत्तर प्रदेश पूरे देश में आयुष्मान कार्ड बनाने में पहले पायदान पर है।

उत्तर प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 80 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसमें से 1 करोड़ 31 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बनाए गए हैं, जबकि 56 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश पूरे देश में 4 करोड़ 15 लाख 41 हजार 992 से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाकर पहले पायदान पर है, जबकि दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है, जहां अब तक 3 करोड़ 70 लाख आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ है, जहां 2 करोड़ 3 लाख कार्ड धारक हैं, जबकि चौथे स्थान पर कर्नाटक और पांचवें स्थान पर आंध्र प्रदेश है। कर्नाटक में 1 करोड़ 51 लाख और आंध्र प्रदेश में 1 करोड़ 40 लाख आयुष्मान कार्ड ध ारक हैं। सांची की सीईओ ने बताया कि प्रदेश में कुल लाभार्थियों में से 70 प्रतिशत परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। योगी सरकार ने पात्र लाभार्थियों के शत–प्रतिशत कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया है। वहीं इलाज के लिए लाभार्थियों को भटकना न पड़े इसके लिए योगी सरकार अब तक प्रदेश के 3,662 अस्पतालों को आयुष्मान कार्ड से जोड़ चुकी है। इसमें 1118 सरकारी और 2544 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों द्वारा 27,62,262 लाभार्थियों का इलाज किया जा चुका है। इनमें से कई ऐसे लाभार्थी हैं जिन्होंने दो से तीन बार इलाज कराया है। वहीं अति गंभीर बीमारी किडनी ट्रांसप्लांट, हार्ट सर्जरी, हार्ट डिजीज, कूल्हा–घुटना प्रत्यारोपण और कैंसर के इलाज के साथ सर्जरी कराने वाले 4,37,290 लाभार्थी भी शामिल हैं। इसके लिए अब तक 3,914 करोड़ की धनराशि खर्च की जा चुकी है। इसमें से 1502 करोड़ की धनराशि अति गंभीर बीमारी के इलाज में खर्च की गयी है।

ईडी ने न्यूजक्लिक मामले में नेविल रॉय सिंघम को नया समन किया जारी

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मीडिया पोर्टल न्यूजक्लिक को कथित तौर पर धन मुहैया कराने के मामले में शंघाई

स्थित करोड़पति नेविल र य सिंघम को नया समन जारी किया है। एक सूत्र ने बताया कि वर्तमान में शंघाई में रह रहे अमेरिकी नागरिक सिंघम को विदेश मंत्रालय के माध्यम से चीनी अधिकारियों के साथ पिछले महीने केंद्रीय एजेंसी के साथ अपना बयान दर्ज करने के लिए नया समन जारी किया गया था। पिछले साल की शुरुआत में, चीनी अधिकारियों ने कथित तौर पर सिंघम को समन देने से इनकार कर दिया था। ईडी इस बात की जांच कर रही है कि सिंघम की मीडिया कंपनी भारत में कैसे चीनी प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रही थी। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और कंपनी के एचआर हेड अमित चक्रवर्ती को भारत विरोध ी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार किया था। अपनी पूछताछ के तहत, ईडी ने समाचार पोर्टल के खिलाफ मनी ल न्ड्रिंग जांच के सिलसिले में न्यूजक्लिक के प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायश्ता से जुड़े नयी दिल्ली (एजेन्सी)। के साकेत स्थित एक फ्लैट को कुर्क किया था। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुर्क की गई 4.52 करोड़ रुपये की संपत्ति कथित तौर पर अपराध की आय का हिस्सा थी। ईडी पोर्टल चलाने वाली कंपनी में 86 करोड़ रुपये से अधिक के धोखाधड़ी विदेशी फंड की जांच कर रहा है। जांच एजेंसी ने सितंबर 2021 में पुरकायस्थ के ठिकानों पर छापेमारी की थी. पुरकायस्थ और चक्रवर्ती फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

बिहार में सूर्योपासना का महापर्व छठ कल से शुरू

पटना (एजेन्सी)। बिहार में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व कार्तिक छठ कल से नहाय–खाय

के साथ शुरू हो जाएगा। सूर्योपासना के इस पवित्र चार दिवसीय महापर्व के पहले दिन छठव्रती श्रद्धालु नर–नारी अंतःकरण की शुद्धि के लिए कल नहाय–खाय के संकल्प के साथ नदियों–तालाबों के निर्मल एवं स्वच्छ जल में स्नान करने के बाद शुद्ध घी में बना अरवा भोजन ग्रहण कर इस व्रत को शुरू करेंगे। श्रद्धालुओं ने आज से ही पर्व के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धालु दिन भर बिना जलग्रहण किये उपवास रखने के बाद सूर्यास्त होने पर पूजा करते हैं और उसके बाद एक बार ही दूध और गुड़ से बनी खीर खाते हैं तथा जब तक चांद नजर आये तब तक पानी पीते हैं। इसके बाद से उनका करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। लोक आस्था के इस महापर्व के तीसरे दिन व्रतधारी अस्ताचलगामी सूर्य को नदी और तालाब में खड़े होकर प्रथम अर्घ्य अर्पित करते हैं। व्रतध ारी डूबते हुए सूर्य को फल और कंदमूल से अर्घ्य अर्पित करते हैं। महापर्व के चौथे और अंतिम दिन फिर से नदियों और तालाबों में व्रतध ारी उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देते हैं । भगवान भास्कर को दूसरा अ र्घ्य अर्पित करने के बाद ही श्रद्धालुओं का 36 घंटे का निर्जला व्रत समाप्त होता है और वे अन्न ग्रहण करते हैं ।परिवार क ी सुख–समृद्धि तथा कष्टों के निवारण के लिए किये जाने वाले इस व्रत की एक खासियत यह भी है कि इस पर्व को करने के लिए किसी पुरोहित (पंडित) की आवश्यकता नहीं होती है और न ही मंत्रोचारण की कोई जरूरत है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद – गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
सम्पादक
शक्ति शंकर
मो0 :- (.91) 7233999001